नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 - 106वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम, राजनीति में लैंगिक समानता की दिशा में भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।यह अधिनियम लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों का आरक्षण प्रदान करता है।
- भारत के मतदाताओं में लगभग आधी हिस्सेदारी होने के बावजूद, लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 13.8% (543 में से 75) और राज्यसभा में 16.7% है, जो राष्ट्रीय संसदों में महिलाओं के 27% के वैश्विक औसत से काफी कम है। अधिकांश राज्य विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10% से कम है।

हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने इस अधिनियम के तत्काल कार्यान्वयन की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया, जिसमें तर्क दिया गया कि महिलाएं भारत का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक और सबसे कम प्रतिनिधित्व वाला समूह हैं। उन्हें आरक्षण के अपने संवैधानिक अधिकार का लाभ उठाने के लिए अगली जनगणना और परिसीमन के बाद तक इंतजार नहीं करना चाहिए।

प्रमुख प्रावधान

33% आरक्षण: लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों सहित।

जोड़े गए अनुच्छेद:

- **अनुच्छेद 330A** - लोकसभा में आरक्षण।
- **अनुच्छेद 332A** - राज्य विधानसभाओं में आरक्षण।
- **अनुच्छेद 239AA (दिल्ली)** - दिल्ली विधानसभा में आरक्षण।

- **कार्यान्वयन खंड:** आरक्षण 2026 के बाद पहली जनगणना के बाद पहले परिसीमन के बाद प्रभावी होगा।
- **अवधि:** 15 वर्षों तक लागू रहेगा, जिसे संसद द्वारा बढ़ाया जा सकता है।
- **रोटेशन प्रणाली:** प्रत्येक परिसीमन प्रक्रिया के बाद आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों को रोटेट किया जाएगा।

महत्व: यदि इसे लागू किया जाता है, तो यह अधिनियम संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को लगभग 14% से दोगुना करके 33% कर सकता है। यह पंचायती राज आरक्षण की सफलता पर आधारित है, जहाँ महिलाओं की भागीदारी पहले ही 45% से अधिक है, जो सकारात्मक प्रतिनिधित्व की परिवर्तनकारी क्षमता को दर्शाता है।

आलोचनाएँ

- **विलंबित कार्यान्वयन:** भविष्य की जनगणना और परिसीमन प्रक्रियाओं पर अधिनियम की निर्भरता 2029 के बाद इसके क्रियान्वयन को स्थगित कर सकती है, जिससे इसके इच्छित लाभों में देरी हो सकती है।
- **उच्च सदनों का बहिष्कार:** यह राज्यसभा और राज्य विधान परिषदों को बाहर करता है, जिससे महिलाओं के प्रतिनिधित्व में अंतराल रह जाता है।

- **ओबीसी उप-कोटा का अभाव:** आलोचकों का तर्क है कि इससे शहरी या कुलीन महिलाओं को असमान रूप से लाभ हो सकता है, ओबीसी और अल्पसंख्यक महिलाओं को छोड़कर।
- **रोटेशन चुनौती:** बार-बार रोटेशन से निर्वाचन क्षेत्र-स्तरीय जवाबदेही और महिला नेतृत्व में निरंतरता कमजोर हो सकती है।
- **प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व जोखिम:** व्यापक पार्टी-स्तरीय सुधारों के बिना, प्रतीकात्मकता या प्रॉक्सी राजनीति का खतरा बना रहता है, जैसा कि कुछ पंचायत व्यवस्थाओं में देखा गया है।

आगे की राह

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के लोकतांत्रिक विकास में एक मील का पत्थर है, जो शासन में महिलाओं को समान हितधारकों के रूप में संवैधानिक मान्यता का प्रतीक है। हालाँकि, इसकी परिवर्तनकारी क्षमता समय पर और समावेशी कार्यान्वयन पर निर्भर करती है।
- सच्ची नारी शक्ति के लिए, एक-तिहाई कोटा एक स्थगित संवैधानिक वादा नहीं रहना चाहिए, बल्कि सशक्तिकरण के एक जीवंत साधन के रूप में विकसित होना चाहिए जो भारत के राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप दे सके।

भारत-भूटान संबंध: पड़ोसी कूटनीति का एक मॉडल

- भारत और भूटान दक्षिण एशिया के सबसे स्थिर और विश्वसनीय द्विपक्षीय संबंधों में से एक साझा करते हैं, जिसे अक्सर "अच्छे पड़ोसी वाली साझेदारी का एक आदर्श" कहा जाता है। इतिहास, संस्कृति और भूगोल में निहित, उनके संबंध पारस्परिक सम्मान, विश्वास और संप्रभु समानता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित हैं।
- यह संबंध भारत की "पड़ोसी पहले" और "एक्ट ईस्ट" नीतियों का भी उदाहरण है।

भौगोलिक और सामरिक महत्व

- भूटान भारत और चीन के बीच स्थित एक स्थलरुद्ध हिमालयी राज्य है, जो पूर्वी हिमालय में एक बफर राज्य के रूप में कार्य करता है।
- इसकी भारत के साथ 699 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम और अरुणाचल प्रदेश को छूती है।
- चुम्बी घाटी (तिब्बत में) और सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास डोकलाम पठार - भारत का संकरा "चिकन्स नेक" जो पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ता है; यह भूटान के स्थान को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- 1949 - शांति और मैत्री संधि ने संबंधों की रूपरेखा स्थापित की; भारत ने भूटान की संप्रभुता का आश्वासन दिया और उसके बाहरी संबंधों का मार्गदर्शन करने पर सहमति व्यक्त की।
- 1968 - औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित हुए; भारत ने थिम्पू में अपना पहला दूतावास खोला।

- 1971 - भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भूटान के प्रवेश का समर्थन किया।
- 2003 - संयुक्त भारत-भूटान सैन्य अभियान "ऑल क्लियर" ने भूटान के अंदर भारतीय विद्रोही शिविरों का सफाया कर दिया।
- 2007 - संधि में संशोधन किया गया, जिससे भूटान को अपनी विदेश नीति पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त हुआ, जो परिपक्व साझेदारी का प्रतीक है।
- 2017 - डोकलाम गतिरोध ने भारत की सुरक्षा गणना में भूटान की रणनीतिक भूमिका को रेखांकित किया।
- 2024-25 - रेल संपर्क, डिजिटल सहयोग और गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना के लिए भारत के समर्थन जैसी नई पहलों के माध्यम से संबंध प्रगाढ़ हुए

सहयोग के क्षेत्र

- आर्थिक एवं विकासात्मक सहयोग
- भारत भूटान का शुद्ध सुरक्षा प्रदाता है।
- भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल (आईएमटीआरएटी) भूटानी बलों को प्रशिक्षित करता है; सीमा प्रबंधन पर घनिष्ठ समन्वय मौजूद है।
- डोकलाम (2017) ने भूटान की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- सीमा पार उग्रवाद का मुकाबला करने और सीमा पर शांति सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त प्रयास जारी हैं।

5. सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंध

- साझी बौद्ध विरासत सभ्यतागत मूल का निर्माण करती है।
- नियमित छात्र छात्रवृत्तियाँ, बौद्ध तीर्थयात्रा सुविधा और लोगों के बीच आदान-प्रदान आपसी सद्भावना को सुदृढ़ करते हैं।

6. डिजिटल, तकनीकी एवं शैक्षिक सहयोग

- भारत भूटान की डिजिटल डुक्युल परियोजना का समर्थन करता है, जो ऑप्टिकल फाइबर और ई-गवर्नेंस प्रणालियाँ बिछा रही है।
- भूटान को भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) से जोड़ने के प्रयास जारी हैं - जैसे, UPI भुगतान एकीकरण।
- भारतीय विश्वविद्यालय हज़ारों भूटानी छात्रों की मेजबानी करते हैं, जिससे मानव पूँजी संबंध मज़बूत होते हैं।

7. पर्यावरण एवं जलवायु साझेदारी

- भूटान दुनिया का एकमात्र कार्बन-नकारात्मक देश है; भारत इसकी हरित और जलवायु-प्रतिरोधी परियोजनाओं का समर्थन करता है।
- ट्रांसबाउंड्री मानस संरक्षण क्षेत्र (TraMCA) जैसी संयुक्त पहल सीमाओं के पार जैव विविधता की रक्षा करती हैं।
- पारिस्थितिक पर्यटन, वन प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग भूटान के "सकल राष्ट्रीय खुशी (GNH)" दर्शन के अनुरूप है।

उभरती चुनौतियाँ

- **भूटान-चीन संबंध:** 2023 के विदेश मंत्री की यात्रा और तीन-चरणीय रोडमैप के तहत सीमा वार्ता सहित भूटान की चीन के साथ साझेदारी, डोकलाम और सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर पड़ने वाले प्रभावों के कारण भारत के लिए चिंता का विषय है।
- **आर्थिक निर्भरता:** व्यापार और जलविद्युत ईंधन के लिए भारत पर भारी निर्भरता विविधीकरण की माँग करती है।
- **पर्यावरणीय चिंताएँ:** बीबीआईएन मोटर वाहन समझौते पर भूटान की अनिच्छा विकास और स्थिरता के बीच तनाव को उजागर करती है।
- **परियोजना में देरी:** जलविद्युत और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की लागत में वृद्धि और कार्यान्वयन में बाधाएँ आ रही हैं।

आगे की राह

- **रणनीतिक विश्वास को सुदृढ़ करना:** भूटान-चीन सीमा वार्ता पर पारदर्शी परामर्श बनाए रखें और सुरक्षा सहयोग को मज़बूत करें।
- **आर्थिक साझेदारी में विविधता लाना:** आईटी, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे गैर-जलविद्युत क्षेत्रों में भारतीय निवेश को बढ़ावा देना।
- **कनेक्टिविटी बढ़ाना:** पर्यावरण सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए रेल, सड़क और डिजिटल बुनियादी ढाँचे को तेज़ करना।
- **भूटान को समान भागीदार के रूप में सशक्त बनाना:** दाता-प्राप्तकर्ता मॉडल से सह-विकास की ओर बढ़ना, भूटान की संप्रभुता पर ज़ोर देना।
- **सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संबंधों को बनाए रखना:** युवा आदान-प्रदान, बौद्ध सर्किट और डिजिटल शिक्षण संबंधों को गहरा करना।

Nari Shakti Vandan Adhiniyam, 2023 – 106th Constitutional Amendment Act

- The **Nari Shakti Vandan Adhiniyam**, marks a historic milestone in India's pursuit of gender equality in politics.
- The Act provides for **one-third reservation of seats for women** in the **Lok Sabha**, **State Legislative Assemblies**, and the **Delhi Assembly**.
- Despite being nearly half of India's electorate, women occupy only **13.8% of seats in the Lok Sabha** (75 out of 543) and **16.7% in the Rajya Sabha** far below the **global average of 27%** women in national parliaments. In most state assemblies, women's representation remains under 10%.

Recently, the **Supreme Court issued a notice to the Centre** on a petition seeking **immediate implementation** of the Act, contending that women make India's largest minority and largest underrepresented group. They should not be made to wait until after the **next census and delimitation** to avail their constitutional right to reservation.

Key Provisions

- **33% Reservation:** In Lok Sabha and State Assemblies, including within **SC/ST-reserved seats**.
- **Articles Added:**
  - ***Article 330A*** – Reservation in Lok Sabha.
  - ***Article 332A*** – Reservation in State Assemblies.
  - ***Article 239AA (Delhi)*** – Reservation in Delhi Assembly.
- **Implementation Clause:** Reservation will take effect **after the first delimitation following the first Census post-2026**.
- **Duration:** To remain in force for **15 years**, extendable by Parliament.
- **Rotation System:** Reserved constituencies to be rotated after each delimitation exercise.

- **Significance:**

  If implemented, the Act could **double women's representation in Parliament** from ~14% to 33%. It builds upon the success of **Panchayati Raj** reservations, where women's participation already exceeds **45%**, demonstrating the transformative potential of affirmative representation.

Criticisms

- **Delayed Implementation:** The Act's dependence on future census and delimitation exercises may **postpone enforcement beyond 2029**, delaying its intended benefits.
- **Exclusion of Upper Houses:** It excludes the **Rajya Sabha** and **State Legislative Councils**, leaving gaps in women's representation.
- **Absence of OBC Sub-Quota:** Critics argue it could disproportionately benefit urban or elite women, excluding **OBC and minority women**.
- **Rotation Challenge:** Frequent rotation may weaken constituency-level accountability and continuity in women's leadership.
- **Proxy Representation Risk:** Without broader party-level reforms, there remains a danger of **tokenism or proxy politics**, as seen in some panchayat setups.

Way Forward

- The **Nari Shakti Vandan Adhiniyam** is a **landmark in India's democratic evolution**, symbolising constitutional recognition of women as equal stakeholders in governance. However, its transformative potential hinges on **timely and inclusive implementation**.
- For true *Nari Shakti*, the one-third quota must not remain a **deferred constitutional promise**, but evolve into a **living tool of empowerment** capable of reshaping India's political landscape.

India–Bhutan Relations: A Model of Neighbourhood Diplomacy

- India and Bhutan share one of South Asia's most stable and trusted bilateral relationships, often described as **"a model of good-neighbourly partnership"**. Rooted in history, culture, and geography, their ties are guided by the principles of **mutual respect, trust, and sovereign equality**.
- The relationship also exemplifies India's **"Neighbourhood First"** and **"Act East"** policies.

Geographical & Strategic Significance

- Bhutan is a **landlocked Himalayan kingdom** located between **India and China**, serving as a **buffer state** in the eastern Himalayas.
- It shares a **699 km border with India**, touching **Sikkim, West Bengal, Assam, and Arunachal Pradesh**.
- The **Chumbi Valley** (in Tibet) and the **Doklam plateau** near the **Siliguri Corridor** -India's narrow "Chicken's Neck" that connects the Northeast with the rest of India; this makes Bhutan's location **strategically vital** for India's national security.

Historical Background

- **1949** – *Treaty of Peace and Friendship* established the framework of relations; India assured Bhutan's sovereignty and agreed to guide its external relations.
- **1968** – Formal diplomatic relations established; India opened its first embassy in Thimphu.
- **1971** – India supported Bhutan's admission to the **United Nations**.
- **2003** – Joint Indo-Bhutanese military operation **"All Clear"** eliminated Indian insurgent camps inside Bhutan.
- **2007** – Treaty revised, granting Bhutan full control over its foreign policy, symbolizing **mature partnership**.
- **2017** – **Doklam standoff** underscored Bhutan's strategic role in India's security calculus.
- **2024–25** – Relations deepened through new initiatives like **rail connectivity**, **digital collaboration**, and India's support for the **Gelephu Mindfulness City Project**.

Areas of Cooperation

1. Economic & Developmental Cooperation

- India remains **Bhutan's largest trading partner**, accounting for about **75% of its imports** and **60% of exports**.
- **Free Trade & Transit Agreements (1972, revised 2016)** allow duty-free trade and access to third-country markets.

- India contributed around **₹10,000 crore** for Bhutan's **13th Five-Year Plan (2024–29)** and supports its **Economic Stimulus Programme**.

2. Hydropower & Energy Cooperation

- India helps finance, build, and buy power from major projects — **Chukha, Tala, Kurichhu, Mangdechhu**, and soon **Punatsangchhu-II (1020 MW)**.
- Bhutan earns over **25% of its national revenue** from hydropower exports to India.
- This model benefits both: **Bhutan gets steady revenue**, and **India receives clean renewable energy**, aiding its green transition.

3. Connectivity & Infrastructure

- **New cross-border rail links** approved:
  - *Kokrajhar (Assam) – Gelephu (Bhutan)*
  - *Banarhat (West Bengal) – Samtse (Bhutan)*
- **First Integrated Check Post (ICP)** at *Darranga (Assam)* inaugurated to boost trade and mobility.
- **Project DANTAK** (by India's Border Roads Organisation) continues to build roads, bridges, and highways within Bhutan.
- Focus areas: smoother transit, sustainable tourism, and North-East India integration.

4. Security & Strategic Cooperation

- India is Bhutan's **net security provider**.
- The **Indian Military Training Team (IMTRAT)** trains Bhutanese forces; close coordination exists on border management.
- **Doklam (2017)** reaffirmed India's commitment to defending Bhutan's territorial integrity.
- Joint efforts continue to counter cross-border insurgency and ensure border peace.

5. Cultural & Civilizational Linkages

- Shared **Buddhist heritage** forms the civilizational core.
- Regular **student scholarships**, **Buddhist pilgrimage facilitation**, and **people-to-people exchanges** reinforce mutual goodwill.

6. Digital, Technological & Educational Cooperation

- India supports Bhutan's **Digital Drukyul Project**, laying optical fibre and e-governance systems.
- Efforts underway to link Bhutan to India's **Digital Public Infrastructure (DPI)** — e.g., **UPI payment integration**.
- Indian universities host thousands of Bhutanese students, strengthening human capital links.

7. Environmental & Climate Partnership

- Bhutan is the **world's only carbon-negative country**; India supports its green and climate-resilient projects.

- Joint initiatives like the **Transboundary Manas Conservation Area (TraMCA)** protect biodiversity across borders.
- Cooperation in **eco-tourism, forest management, and renewable energy** aligns with Bhutan's "**Gross National Happiness (GNH)**" philosophy.

Emerging Challenges

- **Bhutan–China Engagement:** Bhutan's outreach to China, including the 2023 Foreign Minister's visit and boundary talks under the *three-step roadmap*, worries India due to implications for **Doklam and the Siliguri Corridor**.
- **Economic Dependence:** Heavy reliance on India for trade and hydropower fuels calls for diversification.
- **Environmental Concerns:** Bhutan's reluctance on the **BBIN Motor Vehicles Agreement** highlights tensions between development and sustainability.
- **Project Delays:** Hydropower and infrastructure projects face cost overruns and execution hurdles.

Way Forward

- **Reinforce Strategic Trust:** Maintain transparent consultations over Bhutan–China boundary talks and strengthen security cooperation.
- **Diversify Economic Partnership:** Promote Indian investment in non-hydro sectors like **IT, tourism, education, and health**.
- **Enhance Connectivity:** Fast-track **rail, road, and digital infrastructure**, ensuring environmental safeguards.
- **Empower Bhutan as Equal Partner:** Move from donor-recipient model to **co-development**, emphasizing Bhutan's sovereignty.
- **Sustain Cultural & Educational Ties:** Deepen youth exchanges, Buddhist circuits, and digital learning linkages.

CENTRE FOR AMBITION
IAS
AGRA
PCS